IJARSCT

ISSN (Online) 2581-9429

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

Impact Factor: 5.731

Volume 8, Issue 1, August 2021

Hkkjr o"k esa bLyke dk vkxeu ,oa iHkko

M,- mn;Hkku ;kno

vflLVsV ikQslj] fgUnh

राजकीय महिला महाविद्यालयए अम्बारी, आजमगढ़

भारत वर्ष विभिन्न धर्मो, जातियों एवं संस्कृतियों का बहुभाषिक राष्ट्र है। इस देश की क्षमता हमेशा से धर्म एवं संस्कृतियों को पचाने की रही है। इस राष्ट्र में दो महत्वपूर्ण धर्म हिन्दु तथा मुस्लिम इस की चर्चा के विषय रहे। यहाँ मुसलमानों का आगमन कई रूपों में मिलता है व्यापारियों के रूप में, अपना राज्य स्थापित करने वाले शासको के रूप में तथा व्यापारियों के रूप में। हिन्दू–मुस्लिम सम्बन्धों को अगर गहराई से देखा जाय तो फकीरों और व्यापारियों, ने आमजन के इस धर्म को प्रभावित करता गया, या यों कह लें कि भारत वर्ष अब इस धर्म को भी अपने अंदर समेटने लगा।

भारत का सम्पर्क मुसलमानों से पहले राजनीतिक न होकर, वह व्यापारियों तथा फकीरों के माध्यम से हुआ। व्यापारियों तथा फकीरों द्वारा जो मुस्लिम धर्म बढ़ा वह उनमाद की तरह नही बल्कि एक जीवन पद्वति के रूप में बढ़ा। भारत में इस्लाम का आगमन सर्वप्रथम 7वीं शताब्दी में प्रारम्भ होता है। अरब व्यापारियों का पहला बेड़ा सन् 636ई0 में आया। ये व्यापारी और फकीर भारत वर्ष में पश्चिमी तट पर बस गए और उन्होंने व्यापार के साथ अपने धर्म से यहाँ के लोगों को प्रभावित किया। इन्हीं लोगो के प्रभाव से उस समय लोगों ने इस्लाम धर्म स्वीकार किया। यह परिवर्तन स्वेच्छा या दबाव के कारण नहीं था।